Limassol, May 20-21, 2024

केरल विश्वविद्यालय की समुद्री निगरानी प्रयोगशाला का दौरा, 22-23 फरवरी, 2024

ईकॉमरीन समन्वयक, प्रो. जॉर्जियोस जॉर्जियो (साइप्रस विश्वविद्यालय, साइप्रस), प्रो. जोस लुइस एक्यूना फर्नांडीज (ओविदो विश्वविद्यालय, स्पेन) और श्रीमती बीट्रिज टिंटोरे पुजोल-सोलियानो (आर्किपेलागोस इंस्टीट्यूट फॉर मरीन कंजर्वेशन, ग्रीस) ने 22 से 23 फरवरी 2024 तक आंध्र विश्वविद्यालय के समुद्री निगरानी प्रयोगशाला (एमएमएल) का दौरा किया। एमएमएल की स्थापना ईकॉमरीन इरास्मस+ परियोजना के ढांचे में की गई है। (https://ecomarine-project.eu/).

भारत में दो एमएमएल (केरल विश्वविद्यालय और आंध्र विश्वविद्यालय) और मलेशिया में दो अन्य (यूनिवर्सिटी मलेशिया तेरेंगानु और यूनिवर्सिटी केबांगसान मलेशिया) की स्थापना ईकोमरीन परियोजना का मुख्य उद्देश्य है। ये प्रयोगशालाएँ कुछ प्रोटोकॉल के अनुसार समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की निगरानी करने में सक्षम होंगी और परियोजना के समाप्त होने के बाद भी दोनों भागीदार देशों में इसे जारी रखा जा सकेगा।

केरल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बीजू कुमार और सुवर्णा देवी ने तीनों आगंतुकों का मार्गदर्शन किया और खरीदे गए उपकरणों और लैब के संचालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विशेष रूप से, डेटा संग्रह और विश्लेषण के साथ-साथ कार्यान्वयन प्रोटोकॉल की समीक्षा एमएमएल के कर्मियों से इनपुट के साथ की गई है।

Co-funded by the
Erasmus+ Programme
of the European Union

Co-funded by the
Erasmus+ Programme
of the European Union

Co-funded by the
Erasmus+ Programme
of the European Union

Co-funded by the
Erasmus+ Programme
of the European Union